

राज्यपाल ने 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' कार्यक्रम का उद्घाटन किया
तम्बाकू एक साईलेंट किलर है - श्री नाईक

लखनऊ: 31 मई, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ब्राउन हाल में विश्वविद्यालय एवं नेशनल मेडिकोज आर्गनाइजेशन (अवध प्रांत) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो० एम०एल०बी० भट्ट, प्रो० रमाकांत, प्रो० सूर्यकांत, डा० विनोद जैन, प्रो० ए०के० त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक, एम०बी०बी०एस० के छात्र-छात्रायेँ एवं अनेक स्वयं सेवी संगठन से जुड़े लोग उपस्थित थे। राज्यपाल ने तम्बाकू निषेध के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों को तथा पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने कहा कि 'तम्बाकू एक साईलेंट किलर है। जनमानस को समझाने के लिये व्यवस्थित प्रयास की आवश्यकता है। युद्ध में जीतने लोग नहीं मरते उससे ज्यादा लोग तम्बाकू सेवन से मरते हैं।' पूर्व राष्ट्रपति डा० कलाम ने कहा था कि जब तक लक्ष्य पूरा न हो नींद नहीं आनी चाहिए। इस भाव को तम्बाकू निषेध अभियान से जोड़कर देखने की आवश्यकता है। किसी काम को आगे बढ़ाने में कठिनाई आती है पर अंतिम हित का ध्यान रखकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज में प्रभावी जनजागरण की आवश्यकता है।

श्री नाईक ने कहा कि युवाओं में तम्बाकू सेवन की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इच्छाशक्ति के आधार पर और समाज हित को देखते हुये तम्बाकू सेवन रोका जा सकता है। तम्बाकू निषेध के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाएं काउंसिलिंग व अन्य माध्यम से काम करें। सामुदायिक दृष्टि का लाभ समाज को भी होता है। राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के अपने रेल मंत्री रहने के अनुभव बताते हुये कहा कि मुंबई में 76 लाख लोग प्रतिदिन मुंबई लोकल से यात्रा करते हैं। यात्रियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जनहित में रेल के डिब्बों एवं प्लेटफार्म पर बीड़ी-सिगरेट के प्रयोग और वितरण पर सख्ती से पाबंदी लगाने का काम उन्होंने किया था। उन्होंने कहा कि तम्बाकू निषेध के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाएं अपने एक वर्ष के कार्यक्रम की समीक्षा व आंकलन करें।

कुलपति प्रो० एम०एल०बी० भट्ट ने कहा कि प्रतिदिन लगभग 3,300 लोग तम्बाकू के सेवन के कारण अपना जीवन गंवा देते हैं। 40 प्रतिशत कैंसर, 20 प्रतिशत हृदय रोग एवं एक तिहाई श्वास संबंधी रोग का कारण तम्बाकू का सेवन है। उन्होंने कहा कि सभी मिलकर 'स्वस्थ भारत अभियान' में अपना योगदान दें।

प्रो० रमाकांत ने कहा कि तम्बाकू सेवन की समस्या को दूर करने के लिये तम्बाकू सेवन का कारण जानना जरूरी है। बिना जड़ तक जाये उसका हल संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि तम्बाकू छोड़ने के लिये भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रयास करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर प्रो० सूर्यकांत ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डा० विनोद जैन ने किया। कार्यक्रम में प्रो० रमाकांत, डा० अनवर रिज़वी, डा० अभय नारायण, श्री विनय शूक्ला, सुश्री शालिनी गुप्ता, डा० अमृता, सुश्री शिवानी श्रीवास्तव, सुश्री सुभि जैन को तम्बाकू निषेध के प्रति जागरूकता के लिये सम्मानित किया गया तथा पोस्टर प्रतियोगिता के लिये श्री आकाश कुशवाहा, सुश्री दिव्या श्रीवास्तव और आशीष चतुर्वेदी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में 'संवरती जिंदगी' शीर्षक सी०डी० का भी विमोचन किया गया।



राष्ट्रीय मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन-अवध प्रांत
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

31 मई 2018 (वृहस्पतिवार)

स्वास्थ्य विभाग
ब्राउन्स जे.एम.यू.य.

